Siddharth University, Kapilvastu, Siddharthnagar, UP. 272202

Course For Pre Ph.D (Sanskrit)

Paper - III

पाठ्यक्रमशीर्षक: संस्कृतसाहित्ये नवोन्मेषानुसन्धानदृष्टय:

Course Code: DSNC-603

Credit Units: 3

Level: PG (Pre-Ph.D)

अधिगम (Learning / Outcome):

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात् छात्र वैदिक, लौकिक, आधुनिक काव्य, महाकाव्य, कथा, उपन्यास, पौराणिक ऐतिहासिक स्त्रोत, धर्मशास्त्र, दर्शन, व्याकरण आदि का समीक्षात्मक समालोचनात्मक अनुशीलनात्मक एवं तुलनात्मक शोधदृष्टियों से परिचित हो सकेंगे

Pre-requisites: Post Graduation or 4 years Graduate with Research.

Course Contents/Syllabus:

Descriptors/Topics	Weightage (%)
Unit I:	40
वेदपुराणेतिहासधर्मशास्त्रागमे चानुसन्धाय उपागमा: क्षेत्राणि च।	
Unit II:	30
लौकिक-आधुनिकसंस्कृतसाहित्ये अनुसन्धानाय मूलतत्त्वानि, नवोन्मेषानुसन्धानदृष्टयश्च।	
Unit III:	30
वैदिकावैदिकदर्शनयो: नवोन्मेषानुसन्धानदृष्टयश्च, व्यापकता क्षेत्राणि च।	

Siddharth University, Kapilvastu, Siddharthnagar, UP. 272202

संस्तुत-ग्रन्थ –

१. साहित्यानुसन्धानावबोधप्रविधिः - प्रो. रहसविहारी द्विवेदी

२. शोध तंत्र एवं सिद्धांत - डॉ. शैल कुमार

३. शोध प्रविधि - डॉ. शर्मा, सरनाम सिंह

४. शोध प्रविधि - डॉ. विनय मोहन शर्मा

५. भारतीयग्रन्थसम्पादनशास्त्रप्रवेशिनी – राष्ट्रियसंस्कृतविद्यापीठम, तिरुपति।

६. Research Methodology Methods And Technics - C. R. Kothari

Siddharth University, Kapilvastu, Siddharthnagar, UP. 272202

Course For Pre Ph.D (Sanskrit)

Paper - IV

पाठ्यक्रमशीर्षक: व्याकरण-पालि-प्राकृतसाहित्यमेवंच पाण्डुलिपिविज्ञानम्

Course Code: DSNC-603

Credit Units: 3

Level: PG (Pre-Ph.D)

अधिगम (Learning / Outcome):

इस कोर्स के अध्ययन के पश्चात् छात्र प्राचीन, नव्य व्याकरण एवं पालि प्राकृत साहित्य में शोध की विभिन्न संभावनाएं अन्तःविषयी क्षेत्र के शोध उपागमों परिचित होकर हस्तलेखों में निहित ज्ञान को नये आलोक में प्रकाशित कर सकेंगे।

Pre-requisites: Post Graduation or 4 years Graduate with Research.

Course Contents/Syllabus:

Descriptors/Topics	Weightage %
Unit:I	**30**
प्राचीननव्यव्याकरणशास्त्रयोः नवोन्मेषानुसन्धानदृष्टयः, व्यापकता क्षेत्राणि च।	
Unit:II	**40**
• पालिप्राकृतसाहित्ये नवोन्मेषानुसन्धानदृष्टयः, व्यापकता क्षेत्राणि च। • Multidisciplinary and Scientific approaches in Sanskrit Litrature.	
Unit:III	**30**
पाण्डुलिपिविज्ञानम् • पाण्डुलिपिपरिचयः, परिभाषाः, स्वरूपः, प्रकाराः, पाण्डुलिपीनां कालनिर्धारणं तेषां रक्षणोपायाश्च। • मातृकासम्पादनविधिः, पाठालोचनविधिः, हस्तलिखितग्रन्थपाठनिर्धारणस्य प्रक्रिया। • पाण्डुलिपिग्रन्थागाराणां परिचयः ग्रन्थानामन्वेषणञ्च ।	

संस्तुत-ग्रन्थ -

1. शोध प्रविधि एवं पाण्डुलिपि विज्ञान – प्रो.अभिराज राजेंद्र मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, प्रयागराज।
2. पाण्डुलिपि सम्पादन कला - रामगोपाल शर्मा , प्रभात प्रकाशन , नई दिल्ली।
3. भारतीय लिपियों की कहानी - गुणाकर मूले, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. Conducting Research Literature Reviews: From the internet to paper. Sage Publications.